श्री प्रकाश जावडेकरः एक मिनट, मैं बता रहा हूं।

श्री सभापतिः आप सुन लीजिए।

श्री प्रकाश जावडेकरः जो अच्छा है, उसे मानना चाहिए। आप भी उसी राज्य से हैं, मैं भी उसी राज्य का हूं, एक अच्छी चीज़ वहां हो रही है। दूसरा, जहां तक केन्द्रीय विद्यालयों का संबंध है, वहां यह सरकार दे रही है। तीसरा, हर जगह टैब देना, केवल यही कार्यक्रम नहीं है - यह पायलेट प्रोजेक्ट हमने शुरू किया है - लेकिन बोझ कम करने का भी कार्यक्रम है। जहां तक टाइमिंग के बारे में आपने पूछा है, this is a suggestion for action.

Jawahar Navodaya Vidyalayas for BPL families

*48. SHRI SHANKARBHAI N. VEGAD: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government proposes to open Jawahar Navodaya Vidyalayas only for Below Poverty Line (BPL) families; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI UPENDRA KUSHWAHA): (a) and (b) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) The Navodaya Vidyalaya scheme envisages setting up of one Jawahar Navodaya Vidyalaya (JNV) in each district of the country, with the objective of providing good quality modern education to the talented children predominantly from rural areas without regard to their family's socio-economic condition. As such, there is no provision for opening of JNVs only for Below Poverty Line families.

(b) Does not arise.

श्री शंकरभाई एन. वेगड़ः सभापति जी, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि हर डिस्ट्रिक्ट में जवाहर नवोदय विद्यालय का प्रावधान सरकार ने पहले से ही किया है। जवाहर नवोदय विद्यालय में admission पाने के लिए जो प्रवेश परीक्षा ली जाती है, वह इतनी अटपटी होती है कि एक सामान्य परिवार का लड़का होशियार होने के बावजूद भी उस परीक्षा को पास नहीं कर पाता है क्योंकि हर डिस्ट्रिक्ट में एक ट्यूशन क्लास चलती है और जो सम्पन्न परिवार का लड़का होता है, वह वहां पर पैसे देकर ट्यूशन लेने के बाद उस परीक्षा में पास हो जाता है और विषम आर्थिक परिस्थितियों के कारण गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले परिवार का बच्चा वहां नहीं पढ़ पाता है और उसे यह लाभ नहीं मिल पाता है। तो क्या सरकार ने ऐसा कोई प्रावधान किया है कि गरीब परिवार के बच्चे को भी वह लाभ मिले?

श्री उपेन्द्र कुशवाहाः महोदय, यह कहना उचित नहीं है कि admission के लिए जो exam लिया जाता है, उसमें अटपटे प्रश्न पूछे जाते हैं। स्टेट वाइज़ इसका अलग-अलग exam होता है, पूरे देश के लिए exam की एक व्यवस्था नहीं है, अलग-अलग स्टेट वाइज़ इसकी परीक्षा होती है और वहां जो बच्चे हैं, उनके हिसाब से questions पूछे जाते हैं। इसलिए यह कहना गलत है कि कोई अटपटा प्रश्न पूछा जाता है। उन्होंने यह भी कहा है कि उसके चलते जो गरीब वर्ग के बच्चे हैं, उनका admission नहीं हो पाता है। यह आंकड़ा है और उसके हिसाब से below poverty line, जो पचास हज़ार रुपए सालाना तक आमदनी रखने वाले guardians हैं, parents हैं, आज की तारीख में जो टोटल admitted बच्चे हैं, उसमें 36.62 परसेंट उनके बच्चे हैं। इस परिस्थिति में यह कहना कि उनके बच्चे नहीं आ पाते हैं, गलत है।

श्री शंकरभाई एन. वेगड़ः सर, संविधान में रिज़र्वेशन की पॉलिसी के अंतर्गत क्या हमें इसमें प्रावधान मिलता है? अगर नहीं मिलता है तो क्या आगे इस तरह की किसी पॉलिसी पर अमल करने के बारे में सरकार विचार कर रही है?

श्री उपेन्द्र कुशवाहाः सर, इसमें जो प्रोविज़न है, उसके तहत एससी/एसटी के बच्चों के लिए रिज़र्वेशन लागू है और वह बच्चों को मिलता है।

श्री दिलीप कुमार तिर्कीः सभापति महोदय, केन्द्रीय विद्यालय के लिए सांसदों को 10 एडमिशन कराने का कोटा है और यह कोटा कम पड़ जाता है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जो हमारे 780 सांसद हैं, क्या उनको पांच एडमिशन कराने का कोटा नवोदय विद्यालय में भी कराने का प्रोविजन करेंगे?

श्री उपेन्द्र कुशवाहाः सभापति महोदय, नवोदय विद्यालय में मैरिट के बेस पर एडमिशन होता है। इसमें बाकायदा एक्ज़ाम लिया जाता है और एक्ज़ाम के बाद मैरिट में जो बच्चे आते हैं, उनका एडमिशन होता है, इसलिए इसमें ऐसा प्रोविजन करना संभव नहीं है। केन्द्रीय विद्यालय में जो एडमिशन इस कैटेगरी से लिए जाते हैं, जितने बच्चों के लिए वहां सीटें हैं, उसके अतिरिक्त एडमिशन होता है। लेकिन नवोदय विद्यालय में अगर अतिरिक्त एडमिशन करेंगे, तो वहां पर होस्टल की फैसिलिटी भी करानी होगी, तमाम तरह के इंतजाम करने होंगे, इसलिए ऐसा संभव नहीं है।

श्री सभापतिः डा. अनिल कुमार साहनी। ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती जया बच्चनः केन्द्रीय विद्यालय में मैरिट पर एडमिशन होता है। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपेन्द्र कुशवाहाः केन्द्रीय विद्यालय में आप लोग जो एडमिशन भेजते हैं, उसमें कोई मैरिट नहीं देखी जाती है। ...**(व्यवधान)**... केन्द्रीय विद्यालय में जितने बच्चों का नामांकन होता है, सबका एक्ज़ाम लेकर नहीं होता है। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापतिः साहनी जी, आप प्रश्न पूछिए। ...**(व्यवधान)**... प्लीज़, प्लीज़।

डा. अनिल कुमार साहनीः सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानकारी लेना चाहता हूं कि एस.सी./एस.टी. के लिए नवोदय विद्यालय में रिजर्वेशन रखा गया है,

लेकिन जो पिछड़ा वर्ग है, अति पिछड़ा वर्ग है, इनके लिए क्या व्यवस्था की गई है? जो गरीबी रेखा के नीचे हैं, उनके बच्चे विद्यालय में एक्ज़ाम देते हैं, लेकिन नवोदय विद्यालय में सीटें कम होने के कारण उनको एडमिशन नहीं मिल पाता है। मेरा माननीय मंत्री जी से अनुरोध है कि नवोदय विद्यालय में सीटों की संख्या बढ़ाई जाए और पिछड़े वर्ग तथा अति पिछड़े वर्ग के बच्चों को भी समान हिस्सेदारी दी जाए।

श्री उपेन्द्र कुशवाहाः सभापति महोदय, इसमें एस.सी./एस.टी. के बच्चों के लिए रिजर्वेशन लागू है। जहां तक ओ.बी.सी. के बच्चों का सवाल है, तो हम माननीय सदस्य के सुझाव पर विचार करेंगे।

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU: Respected Chairman, Sir, Jawahar Navodaya Vidyalaya is a centre of green pasture in desert. But, it is very well known that there are huge vacancies throughout the country. Several faculty positions in each and every JNV are lying vacant and it is giving a lot of trouble to the existing faculty to cater to other subjects so as to keep students at par with other schools.

So, I would like to know from the hon. Minister whether they are going to expedite filling-up of vacancies in all JNVs so that there will not be any dearth of teaching faculty. Thank you.

श्री उपेन्द्र कुशवाहाः सभापति महोदय, जवाहर नवोदय विद्यालयों के लिए भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। इसके लिए CBSE Exam conduct करती है। CBSE ने Exam already ले लिया है और उसके आधार पर मैं समझता हूं कि जल्दी ही, जो भी वैकेंसीज़ हैं, उनकी भर्ती की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

भारत की समुद्री सीमाओं के आसपास चीन की उपस्थिति

***49. श्रीमती छाया वर्मा :** क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि चीन लगातार भारत के हितों की अनदेखी कर रहा है और भारत के आसपास समुद्री घेराबंदी कर रहा है;

(ख) क्या चीन और पाकिस्तान द्वारा 'वन बेल्ट वन रूट' के नाम पर गठजोड़ करके जम्मू-कश्मीर के उस भाग से गुजरने का समझौता किया गया है जो पाक अधिकृत कश्मीर का क्षेत्र है; और

(ग) चीन की मंशा को देखते हुए भारत द्वारा क्या कदम उठाये गये हैं?

विदेश मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज): (क) से (ग) विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) से (ग) चीन ने 'समुद्री ताकत' बनने के अपने उद्देश्य का उल्लेख किया है। इस रणनीति के अंतर्गत चीन इस क्षेत्र के तटवर्ती देशों में बंदरगाहों और अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास कर रहा है इसमें वह सुविधाएं भी शामिल हैं जो भारत की समुद्री सीमा के पास हैं।

वन बेल्ट वन रोड (ओबीओआर) पहल के अंतर्गत चीन इस क्षेत्र में कई देशों में बुनियादी ढांचा सुविधाओं के विकास के लिए परियोजनाएं आरंभ कर रहा है। कथित चीन-पाकिस्तान आर्थिक